गैरसैंण,मंगलवार
21 मई 2024
वर्षः 16
अंकः 30 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

ऋषिकेश से 31 वाहनों में 495 यात्री चारधाम के लिए रवाना

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए साप्तहभर से ऋषिकेश में ठहरे यात्रियों को सोमवार दूसरे दिन भी विशेष पंजीकरण की सुविधा दी गई। इस दौरान पंजीकरण केंद्र से 31 वाहनों में 495 यात्रियों को धामों के लिए रवाना किया गया। रजिस्ट्रेशन से होने से कई–कई दिनों से यहां ठहरे यात्रियों के चेहरे खिले दिखे। सोमवार को तड़के से ही चारधाम ट्रांजिट एवं पंजीकरण केंद्र में यात्रियों की रजिस्ट्रेशन के लिए भीड़ जुटनी शुरू हो गई। प्रशासन की ओर से चिन्हित यात्रियों को सुबह से दोपहर तक रजिस्ट्रेशन किया गया। इनमें राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहारी, यूपी व अन्य प्रदेशों के यात्री शामिल रहे। केंद्र में रजिस्ट्रेशन के लिए यात्रियों की सूची जमा करने को भी होड़ दिखी। यात्री दिनभर प्रशासनिक अधिकारियों के पास सूची लेकर पहुंचते रहे। रजिस्ट्रेशन को लेकर केंद्र में यात्रियों की हुजूम उमड़ा रहा, जिसे व्यवस्थित रखने के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती केंद्र पर गई। एसएसपी अजय सिंह भी दोपहर में ट्रांजिट केंद्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए पहुंचे। उन्होंने यात्रियों से बातचीत कर उन्हें शीघ्र रजिस्ट्रेशन का भरोसा भी दिया। वहीं, पंजीकरण केंद्र में अपर आयुक्त नरेंद्र सिंह क्वीरियाल, नगर आयुक्त शैलेंद्र सिंह नेगी, चारधाम यात्रा के नोडल अधिकारी एसपी लोकजीत सिंह, एसडीएम कुमकुम जोशी आदि मौजूद रहे।

10 लाख रुपए रिश्वत लेते सीबीआई इंस्पेक्टर गिरफ्तार

भोपाल ,मध्यप्रदेश में नर्सिंग कॉलेज घोटाला मामले की जांच कर रहे सीबीआई अफसर रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार हुआ है। सीबीआई निरीक्षक राहुल राज 10 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार हुआ है। मामले में एजेंट सचिन जैन को भी किया गिरफ्तार किया गया है। राहुल राज ने सही रिपोर्ट पेश न करने के एवज में रिश्वत मांगी थी। इंदौर नर्सिंग कॉलेज संचालक समेत कई आरोपी हिरासत में लिए गए हैं। दरअसल हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने इंदौर, भोपाल, रतलाम में ताबड़तोड़ छापेमार कार्रवाई की। इस बीच रिश्वत देने पहुंचे मलय नर्सिंग कॉलेज के चेयरमैन और प्रिंसिपल समेत सीबीआई निरीक्षक को टीम ने भोपाल के आंचल अपार्टमेंट से धरदबोचा। राहुल राज के घर से तलाशी में 7 लाख 88 हजार रुपए नकद और 100–100 ग्राम के सोने के बिस्किट भी मिले हैं। सीबीआई ने इस घोटाले में आरोपी दलाल सचिन जैन और रिश्वत देने वाले करीब 12 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। 13 आरोपियों में से 9 को अरविंद कुमार शर्मा की सीबीआई स्पेशल कोर्ट में पेश किया है। चार आरोपियों को कल कोर्ट में पेश किया जाएगा। सभी को 10 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया है।

बीजद सरकार ने ओडिशा को बर्बाद किया : मोदी

कटक ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ओडिशा में नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल (बीजद) सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि माफिया राज और भ्रष्टाचार ने प्रदेश को बर्बाद कर दिया। मोदी ने ओडिशा में अपने तीसरे दौर के चुनाव प्रचार के दौरान कटक के प्रसिद्ध बाली यात्रा मैदान में विजय संकल्प समावेश को संबोधित करते हुए कहा कि अपने 25 साल के शासन के दौरान बीजद ने केवल कोयला माफिया, रेत माफिया और खनन माफिया को बढ़ावा दिया है, जिससे राज्य की बर्बादी हुई है। उन्होंने लोगों से राज्य के विकास के लिए धीमी गति से चलने वाली बीजद सरकार को त्यागने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेज गति वाली डबल इंजन सरकार को चुनने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने बीजद सरकार पर चिटफंड घोटाले के जरिए प्रदेश के गरीब लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया, जहां चिटफंड कंपनियों ने निवेशकों से करोड़ों रुपये लूटे। उन्होंने कहा कि बीजद के मंत्रियों और विधायकों के लगातार भ्रष्टाचार में लगे रहने के कारण लोगों में आक्रोश है।

मोदी ने दावा किया कि जब से भाजपा सरकार केंद्र में सत्ता में आई है, उसने ओडिशा को कांग्रेस शासन के दौरान मिलने वाली धनराशि से तीन गुना अधिक धनराशि प्रदान की है।

क्षेत्र में फैली दुर्गंध तो बंद कमरों में मिले दो शव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत दो अलग-अलग घरों के कमरों से पुलिस ने दो शव बरामद किए हैं। शवों की शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने पंचनामा भर उन्हें स्वजनों के सुपुर्द कर दिया है।

मामले में पुलिस को किसी भी तरह की तहरीर नहीं मिली है। सोमवार को रतनपुर-सुखरो निवासी कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि क्षेत्र में एक आवास से तेज बदबू आ रही है। मौके पर पहुंची टीम ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए कमरे की तलाशी ली। वरिष्ठ उपनिरीक्षक जयपाल सिंह चौहान ने बताया कि आसपास पूछताछ में पता चला कि मृतक नरेंद्र देवरड़ा (37 वर्ष) क्षेत्र में मजदूरी व रिक्शा चलाने का काम करता था। कुछ वर्ष पूर्व ही उसका अपनी पत्नी से भी तलाक हो गया था, जिसके बाद वह मकान में अकेले ही रहता था। मृतक

शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस

शराब पीने का आदी था। मृतक के शरीर पर किसी भी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। ऐसे में मौत का कारण क्या है इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा। वहीं, पुलिस को सूचना मिली कि ग्रास्टनगंज क्षेत्र में एक बंद मकान के कमरे से बदबू आ रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा तो वहां दिनेश चंद्र ध्यानी (60 वर्ष) का शव पड़ा हुआ था। कमरे के समीप ही मृतक के बच्चे भी रहते थे। पूछताछ में बच्चों ने पुलिस को बताया कि उनके पिता कई दिन तक कमरा बंद कर रहते थे। पुलिस ने मृतक के समीप से दीमक मारने वाली दवा की खाली सीसी भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया व्यक्ति ने दीमक मारने वाली दवा पीकर आत्महत्या कर ली है।

बुद्ध पूर्णिमा स्नान को उमड़ेंगे लाखों श्रद्धालु

हरिद्वार। चारधाम यात्रा की भीड़ के बीच 23 मई को हरिद्वार के गंगा घाटों पर बुद्ध पूर्णिमा का स्नान होगा। इसके लिए पुलिस और प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। करीब 6 से आठ लाख लोगों की भीड़ उमड़ने का अनुमान लगाया गया है। स्नान के दिन हाईवे पर भारी वाहनों की एंट्री पर रोक लगाई जा सकती है। शास्त्रों में बुद्ध पूर्णिमा स्नान का बड़ा महत्व है। इसी स्नान के साथ बैशाख माह के स्नान का भी समापन हो जाता है। स्नान के लिए बड़ी संख्या में हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के श्रद्धालुओं के जत्थे हरिद्वार पहुंचते है। यात्रा की भीड़ को देखते ही पुलिस स्नान में व्यवस्था बनाने की तैयारियों में जुटी है। पिछले साल बुद्ध पूर्णिमा स्नान पर 5.50 लाख की भीड़ उमड़ी थी। इसी को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था की जा रही है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि स्नान को लेकर तैयारियां की जा रही है। हाईवे पर वाहनों का अत्याधिक दबाव रहने पर ट्रैफिक प्लान लागू किया जाएगा। बाहरी राज्यों से आने वाले वाहनों के लिए ट्रैफिक प्लान तैयार किया जा रहा है।

विधि-विधान से खुले द्वितीय केदार मदमहेश्वर के कपाट

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : पंचकेदारों में प्रतिष्ठित द्वितीय केदार भगवान मदमहेश्वर के कपाट सोमवार को पूर्वाह्न 11 बजकर 15 मिनट पर श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ विधि-विधान से खोल दिए गए हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के प्रवक्ता डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि श्री मदमहेश्वर भगवान की देवडोली के पहुंचने के पश्चात् आज प्रातः 10 बजे से कपाट खुलने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। बताया कि पूर्वाह्न 11:15 बजे पुजारी टी गंगाधर लिंग ने पूजा-अर्चना के बाद बीकेटीसी के अधिकारियों, हक-हकूक धारियों की उपस्थिति में विधि-विधान से श्री मदमहेश्वर मंदिर के कपाट खोल दिए गए। इसके बाद भगवान मदमहेश्वर जी के स्वयंभू शिवलिंग को समाधि रूप अलग कर निर्वाण रूप तथा उसके उपरांत श्रृंगार रूप दिया गया। तत्पश्चात् यहां मौजूद श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए। इस दौरान करीब साढ़े तीन सौ से अधिक श्रद्धालु मौजद रहे।

श्री केदारनाथ धाम पहुंच रहे बड़ी संख्या में श्रद्धालु, व्यवस्थाओं से संतुष्ट

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम की यात्रा पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में लगातार पहुंच रहे हैं। साथ ही यहां मिल रही सुविधाओं की सराहना भी कर रहे हैं। जोधपुर राजस्थान से अपने साथियों के साथ श्री केदारनाथ की यात्रा पर पहुंचे दिलीप देवड़ा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें यहां आकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने बताया कि यहां आकर वास्तव में स्वर्ग जैसी आनंद की अनुभूति हो रही है। हरियाणा कुरुक्षेत्र से मंजीत ने बताया कि यहां थोड़ी बहुत असुविधाओं को छोड़कर अन्य सभी व्यवस्थाएं काफी अच्छी हैं। हरियाणा से श्री केदारनाथ धाम की यात्रा पर पहुंचे रूपेश ने भी धाम में उपलब्ध सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां पर खाने व रहने सहित अन्य आवश्यक सभी सुविधाएं बहुत बेहतर ढंग से मिली हैं। साथ ही बहुत अच्छे से बाबा केदारनाथ के दर्शन हुए हैं। बुंदलखंड, उत्तर प्रदेश के अमरीश गुप्ता ने बताया कि उन्हें सुगम और काफी अच्छे तरीके से केदारनाथ के दर्शन हुए हैं।

छत्तीसगढ़ में भीषण सडक़ हादसा, खाई में पिकअप पलटने से 15 की मौत, 10 जख्मी

रायपुर , छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के पंडरिया में दर्दनाक हादसा हो गया। जहां पिकअप वाहन खाई में गिरने से करीब 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग जख्मी हो गए। जानकारी के अनुसार पिकअप में 30 से अधिक लोग सवार थे।

यह सभी तेंदूपत्ता तोडऩे गए हुए थे और वापस लौटने के दौरान यह हादसा हुआ है। जानकारी के अनुसार यह सभी मजदूर सेमहारा गांव के रहने वाले हैं। इस घटना की जानकारी देते हुए कबीरधाम एसपी अभिषेक पल्लव ने बताया कि थाना कुकदूर क्षेत्र के तहत ग्राम बाहपानी के पास 30 लोगों से भरी पिकअप खाई में गिर गई।

31 मई तक चारधाम यात्रा के ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन रहेगें स्थगित : धामी

मुख्यमंत्री ने की चारधाम यात्रा सहित ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत पेयजल और विद्युत आपूर्ति की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में चारधाम यात्रा, ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत पेयजल और विद्युत आपूर्ति की समीक्षा की। चारधाम यात्रा की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि 31 मई तक ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन स्थगित रखे जाएं। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुरक्षा और सुविधा की दृष्टिगत यह निर्णय लिया जाना जनहित में जरूरी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं को उत्तराखण्ड के अन्य धार्मिक और पौराणिक स्थलों में जाने के लिए भी प्रेरित किया जाए। उन्होंने गढ़वाल कमिश्नर और आईजी को निर्देश दिये कि इसके लिए डायवर्जन प्लान बनाया जाय। चारधाम यात्रा के लिए भीड़ प्रबंधन का विशेष ध्यान रखे जाने के साथ यह सुनिश्चित किया जाए कि चारों धामों में श्रद्धालुओं की जो संख्या निर्धारित की गई है, उसके अनुसार ही श्रद्धालुओं को भेजा जाए। बिना रजिस्ट्रेशन के जो श्रद्धालु उत्तराखंड की सीमा के अन्दर प्रवेश कर चुके हैं, वे चारों धामों के अलावा राज्य के अन्य धार्मिक एवं पर्यटक स्थलों के लिए जाना चाहते हैं, तो उन्हें वहां भेजा जाय, ऐसे श्रद्धालुओं को स्पष्ट जानकारी दी जाय कि चारों धामों में निर्धारित संख्या एवं तय मानकों के अनुसार ही श्रद्धालुओं को दर्शन हेतु भेजा जायेगा। इसके लिये टूर ऑपरेटरों के लिये भी एडवाईजरी जारी की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि इसका भी विश्लेषण किया जाए कि पिछले 10 दिनों में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं और प्रबंधन में कहां कमी रही और यह कमी किन कारणों से उत्पन्न हुई।

संपादकीय

शोरगुल में भी दोहरे मापदंड

उत्तराखंड के तीर्थ स्थलों पर इन दोनों एक नया ट्रेंड चल पड़ा है जिसमें मंदिर के प्रांगण में भजन कीर्तन और ढोल नगाड़ों के साथ भजन कीर्तन चल रहे हैं। कुछ ऐसे यंत्र भी बजते हुए नजर आ रहे हैं जो काफी ध्वनि उत्पन्न करते हैं और दावा दाव किए जा रहा है कि इनका कंपन कहीं ना कहीं पहाड़ों की शांति को भंग करता है। हाल ही में केदारनाथ धाम में ऐसे ही एक ग्रुप द्वारा धार्मिक प्रदर्शन के दौरान विरोध स्वरूप बवाल उत्पन्न हुआ था। स्थानीय पुरोहित द्वारा केदारनाथ प्रांगण में बड़े–बड़े ढोल बजा रहे लोगों को ऐसा करने से मना किया गया इसके बाद उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्र के सभी तीर्थ स्थलों पर ढोल नगाड़ों के शोर को प्रतिबंधित करने की मांग उठने लगी। तीर्थ स्थलों पर यह सब कम भी हुआ लेकिन इधर कार्यवाही के दोहरे मापदंडों पर भी सवाल उठने लगे। भक्ति भाव में डूबे भक्त जब अपने आराध्य के निकट पहुंचते हैं तो भावनाएं अविरल तरीके से बहने लगती है। कुछ गानों और नृत्य के माध्यम से भक्ति भाव का प्रदर्शन करते हैं तो कुछ मौन और ध्यान में ही भक्ति का रास्ता तलाशते हैं। रास्ते अलग–अलग है लेकिन उद्देश्य सबका अपने आराध्य को अपने मन और आत्मा से जोड़ने का होता है। बद्रीनाथ और केदारनाथ की पहाड़ियों के बीच में स्थित है जिसमें केदारनाथ और गंगोत्री धाम खास तौर से संवेदनशील क्षेत्र में माने जाते हैं। विरोध इसी बात का हो रहा है कि इन तीर्थ स्थलों पर ढोल नगाड़ों का शोर ना किया जाए क्योंकि इससे संवेदनशील ग्लेशियर प्रभावित हो सकते हैं। अब प्रश्न यह उठता है कि यदि ढोल नगाड़ों से ग्लेशियर इतने अधिक प्रभावित हो सकते हैं तो उद्यान कंपनियों के उड़नखटोलों का शोरगुल क्या पहाड़ों की संवेदनशीलता को प्रभावित नहीं करता? यहां स्थानीय संत पुरोहित और धार्मिक प्रदर्शन करने वालों का विरोध करने वाले ठोस तर्क प्रस्तुत नहीं करते और ना ही कोई हेली कंपनियों की सर्विस को लेकर मुंह खोलने को तैयार है। निश्चित तौर पर संवेदनशील क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के शोर का विरोध होना चाहिए और यदि एक पक्ष को प्रतिबंध करने की मुहिम छिड़ सकती है तो ऐसा शोर जो पहाड़ों के ऊपर सीधे तौर पर ग्लेशियर को प्रभावित कर सकता है उनके खिलाफ मुहिम चलाने को लेकर दोहरे मापदंड क्यों? शायद इसके मायने तो यही हुए कि राजस्व अर्जन का माध्यम भक्ति भाव पर भारी पड़ रहा है। यह काफी बचकाना है कि मंदिरों के बाहर धार्मिक गीत प्रदर्शन करने वालों भक्तों का अपमान किया जाए और पूंजीपतियों की संचालित व्यवस्थाओं पर मौन धारण कर लिया जाए। बात यदि शोरगुल के कारण पहाड़ों के प्रभावित होने की है तो दोनों ही मामलों में गंभीरता से विचार होना चाहिए।

भयावह खतरा है लू की तीव्रता

ज्ञानेंद्र रावत

बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मौसम में आ रहे बदलाव से आगामी महीनों में तापमान में बढ़ोतरी, हीटवेव और उससे उपजे खतरों से निपटने से संबंधित समीक्षा बैठक को संबोधित किया, जिसमें प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, गृह सचिव, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उच्चाधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने तैयारियों की जानकारी ली और सतर्कता, सजगता एवं आपसी तालमेल से उपाय करने का निर्देश दिया। यह कवायद देश में लू की तीव्रता और घातकता बढ़ने से जुड़ी है, जिसकी जद में देश की 80 फीसदी आबादी और 90 फीसदी क्षेत्रफल के आने की आशंका है। यदि हीटवेव से निपटने की दिशा में त्वरित कार्रवाई नहीं हुई, तो भारत को सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) हासिल करने में मुश्किल हो सकती है। भारत एक उष्णकटिबंधीय देश है। हीटवेव अत्याधिक गर्म मौसम की स्थिति है, जिसमें किसी क्षेत्र का तापमान ऐतिहासिक औसत से अधिक हो जाता है। मैदानी, तटीय तथा पर्वतीय इलाकों में अधिकतम तापमान क्रमशः 30, 37 और 40 डिग्री सेल्सियस पहुंचने पर हीटवेव की स्थिति पैदा होती है। ये तापमान सामान्य से चार से पांच डिग्री अधिक होते हैं और जब ये पांच से छह डिग्री अधिक होते हैं, तब उसे हीटवेव कहते हैं। अगर तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, तो वह स्थिति बेहद खतरनाक मानी जाती है।

हीटवेव से डीहाईड्रेशन, हीटस्ट्रोक और मौत भी हो सकती है। इसकी चपेट में बच्चे, ज्यादा उम्र के बुजुर्ग, महिलाएं, फेफड़ों की पुरानी बीमारी वाले, निर्माण और श्रम से जुड़े लोग ज्यादा आते हैं। बीते बरसों में हर महाद्वीप को हीटवेव ने प्रभावित किया है। इससे जंगलों में आग की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हुई है। आने वाले 26 सालों में 60 करोड़ लोग इससे सर्वाधिक प्रभावित होंगे। इससे घर के बाहर लोगों की कार्यक्षमता में 15 फीसदी की गिरावट होगी और 31 से 48 करोड़ लोगों के जीवन की गुणवत्ता घटेगी। बीते सालों की प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए यह कम आश्चर्यजनक नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने के लिए कारगर कदम उठाने में वैश्विक समुदाय उतना सजग नहीं दिखता। मार्च 2023 से मार्च 2024 के बीच की अवधि में वैश्विक तापमान ने 1.5 डिग्री की सीमा को लांघ दिया है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि आज धरती एक बड़े संकट के मुहाने पर खड़ी है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की हालिया रिपोर्ट की मानें, तो न केवल बीता वर्ष बल्कि पूरा बीता दशक धरती पर अभी तक का सबसे गर्म दशक रहा है। यह वर्ष भी गर्मी का रिकॉर्ड तोड़ देगा। चिंता की बात यह है कि यदि तापमान वृद्धि पर अंकुश नहीं लगा, तो सदी के अंत तक गर्मी से 1.5 करोड़ लोग मौत के मुहाने तक पहुंच जायेंगे। अमेरिका की पर्यावरण संस्था ग्लोबल विटनेस और कोलंबिया यूनीवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कहा है कि उत्सर्जन स्तर यदि 2050 तक यही रहा,

तो 2100 तक गर्मी अपने घातक स्तर तक पहुंच जायेगी। यह भी कि प्रत्येक मिलियन टन कार्बन में बढ़ोतरी से दुनियाभर में 226 अतिरिक्त हीटवेव की घटनाएं होंगी।

क्लाइमेट चेंज जर्नल के एक अध्ययन की मानें, तो यदि तापमान में तीन डिग्री की वृद्धि होती है, तो हिमालय में सूखा पड़ने की प्रबल संभावना है। इससे सबसे ज्यादा नुकसान कृषि क्षेत्र को उठाना पड़ेगा। इससे भारत और ब्राजील का 50 फीसदी से अधिक कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा। इन देशों में एक से तीस वर्ष तक सूखे का खतरा बना रह सकता है। अत्याधिक तापमान से समय पूर्व जन्म दर में बढ़ोतरी का खतरा 60 फीसदी तक बढ़ जायेगा। यह खतरा कई हानिकारक स्वास्थ्य प्रभावों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होगा। गर्मी के बढ़ते प्रभाव से खाद्यान्न आपूर्ति पर संकट बढ़ जायेगा। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट की मानें, तो बढ़ते तापमान से अमेरिका से चीन तक खेत तबाह हो रहे हैं। इससे फसलों की कटाई, फलों का उत्पादन और डेयरी उत्पादन सभी दबाव में हैं। बाढ़, सूखा और तूफान की बढ़ती आवृत्ति ने इसमें और इजाफा किया है। वाशिंगटन के सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के खाद्य विशेषज्ञ कैटलिन वैल्श कहते हैं कि इन मौसमी घटनाओं की वजह से खाद्य सुरक्षा और कीमतों के बारे में चिंता लगातार बढ़ रही है। इससे उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया के बड़े हिस्से के किसान मुश्किल में हैं। दक्षिणी यूरोप में गर्मी के कारण गायें दूध कम दे रही हैं। समुद्र का बढ़ता तापमान मछलियों को अपना इलाका छोड़ने पर मजबूर कर रहा है। इससे बहुत सी प्रजातियों के खत्म होने का अंदेशा बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु समिति के अनुसार यदि धरती के तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस पर रोकना है, तो 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को 43 फीसदी तक घटाना होगा। आज धरती 1.17 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो चुकी है, जो संयुक्त राष्ट्र के मानक तापमान के अनुमान से आधा डिग्री अधिक है।

वैश्विक तापमान वृद्धि ने समूची दुनिया को अपनी जद में ले लिया है। इसके चलते पेरिस में दुनिया के तमाम देशों ने वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया था। यहां यह विचार करना बेहद जरूरी है कि क्या हम ईमानदारी से उस लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। मौजूदा हालात तो इसकी गवाही कतई नहीं देते क्योंकि धरती के गर्म होने की गति तेजी से बढ़ ही रही है और हम तापमान बढ़ोतरी के मामले में पेरिस सम्मेलन में लिये गये निर्णय के बावजूद 3–4 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। यदि हमने कार्बन उत्सर्जन कम नहीं किया, तो सदी के आखिर तक धरती का तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जायेगा। क्या उस दशा में धरती रहने के लायक बची रह पायेगी? संयुक्त राष्ट्र जलवायु एजेंसी के प्रमुख साइमन स्टील ने चेतावनी दी है कि धरती को बचाने के लिए अब केवल दो साल का समय ही बचा है।

कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने और इसके लिए बनायी जाने वाली योजनाओं के लिए धन जुटाने के लिए भी समय कम बचा है। जरूरी है कि गैस उत्सर्जन में गिरावट लाने के लिए ग्रीनहाउस बनाये जायें और सशक्त अर्थव्यवस्था हेतु जी–20 द्वारा अधिक धन प्रदान किया जाये क्योंकि तापमान बढ़ाने वाले उत्सर्जन में इन देशों का 80 फीसदी योगदान है। धरती पर यदि कार्बन और मीथेन का उत्सर्जन इसी तरह बढ़ता रहा, तो हालात और भयावह होंगे। उस दशा में करने के लिए हमारे पास कुछ नहीं होगा।

जैव विविधता का संरक्षण भी है मधुमक्खी पालन

अशोक भगत

भारत जैव विविधता वाला देश है। दक्षिण से लेकर उत्तर तक यहां की जलवायु कई भागों में विभाजित दिखती है। पश्चिमी भारत में यदि भीषण गर्मी और शुष्कता है, तो पूर्वी भारत दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले क्षेत्र में शुमार है। वैसे तो वर्तमान विश्व जैव विविधता के संरक्षण को लेकर कोई खास संवेदनशील नहीं दिख रहा है, लेकिन हाल में ब्राजील में संपन्न आम चुनाव में जैव विविधता महत्वपूर्ण मुद्दों में शामिल था। वहां उसी पार्टी की जीत हुई, जिसने जैव विविधता के संरक्षण के लिए काम करने की बात कही। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में प्रकृति संरक्षण के साथ ही साथ जैव विविधता के संरक्षण को लेकर लोगों में जागृति देखने को मिल रही है। भारत में भी इसकी सुगबुगाहट है। ऐसे में जैव विविधता के संरक्षण को राष्ट्रीय मुद्दा बनाने की जरूरत है। हमें अपने कृषि विकास नीति में भी इसे जोड़ना होगा। यदि उस दिशा में प्रयास करना है, तो प्रथम कदम के तौर पर किसानों को खेती के साथ मधुमक्खी पालन के आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण जरूरी हो जाता है। यह हमारे लिए मात्र रोजगार का साधन भर नहीं होगा, अपितु इसके माध्यम से हम अपनी जैव विविधता का संरक्षण भी कर सकते हैं। झारखंड जैसे राज्य के लिए तो यह बेहतर वैकल्पिक रोजगार का साधन उपलब्ध करा सकता है। झारखंड में विभिन्न प्रकार के पौधों के अतिरिक्त औषधीय पौधे भी बहुतायत में पाये जाते हैं, जिसके फूलों के माध्यम से आसानी से मधुमक्खी पालन हो सकता है। इससे अतिरिक्त आमदनी तो होगी ही, जैव संरक्षण को लेकर एक नया माहौल भी बनेगा।मधुमक्खियों द्वारा जहां शहद एकत्र किया जाता है, वहीं विभिन्न पौधों में परागण के आदानप्रदान से बीजों की संख्या में भी वृद्धि होती है, जिससे विभिन्न प्रकार के पौधे जंगलों में अपनी संख्या बनाये रखने में सक्षम होते हैं। विशेषज्ञों की मानें, तो यदि मधुमक्खियां खत्म हो जाएं, तो जीवन की संभावना की कल्पना नहीं की जा सकती। मधुमक्खी एक सामाजिक कीट है क्योंकि इसके परिवार में रानी, श्रमिक एवं नर मधुमक्खी पाये जाते हैं। मधुमक्खी से शहद निकालने एवं पालन करने की प्रथा काफी पुरानी है क्योंकि मधुमक्खियों का वर्णन सभी धार्मिक ग्रंथों, जैसे वेदों, महाभारत, बाइबल एवं कुरान, में मिलता है। शहद प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला मीठा पदार्थ है, जो निदोष एवं हानिरहित है। इसलिए इसे हम पृथ्वी का अमृत भी कह सकते हैं। प्राचीन काल से इसका उपयोग खाने, धार्मिक कार्यक्रमों एवं औषधीय कार्यों में किया जाता रहा है। इसका महत्व बढ़ने के कारण इसे पालने के लिए सर्वप्रथम 1789 में स्विट्जरलैंड के निवासी फ्रांसिस ह्यूबर ने बॉक्स बनाकर मधुमक्खी पालन की शुरुआत की। धीरे–धीरे इसमें कई परिवर्तन हुए, जो आज कृषि आधारित कुटीर उद्योग के रूप में उभर कर सामने आया है।भारत की बड़ी ग्रामीण आबादी में छोटे एवं मझोले किसानों की संख्या ज्यादा है। मधुमक्खी पालन ग्रामीण गरीब, भूमिहीन मजदूर एवं ग्रामीण युवाओं के लिए स्वरोजगार एवं अतिरिक्त आय का प्रमुख साधन बन सकता है। सरल होने के कारण अशिक्षित व्यक्ति भी इसे आसानी से कर सकता है। इस व्यवसाय को 5–10 बक्सों से कम पूंजी में शुरू किया जा सकता है। यह व्यवसाय इतना प्रभावशाली है कि तीन से पांच वर्षों में कोई भी व्यक्ति 100 से 150 बक्सों का मालिक बन सकता है तथा प्रतिवर्ष लाखों रुपये की आमदनी कर सकता है। इस व्यवसाय में बिजली, इमारत या जमीन की आवश्यकता न के बराबर पड़ती है। इसके लिए कच्चे माल की भी कोई आवश्यकता नहीं होती है। इस व्यवसाय के खड़े होने से गांव के कुछ लोग मधुमक्खी पालन में काम आने वाले औजार, बक्सा, मधु निष्कासन यंत्र इत्यादि बनाकर कुटीर उद्योग खड़ा कर सकते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में नये प्रकार की रोजगार क्रांति आ सकती है। मधुमक्खी अपना भोजन, जिसमें मधु एवं पराग प्रमुख हैं, तीन किलोमीटर क्षेत्र से एकत्र करती हैं। इसका लाभ परोक्ष तौर पर फसलों को होता है।विश्व भर में लगभग पांच करोड़ मधुमक्खी कॉलोनियां हैं। ऐसा अनुमान है कि विश्व में लगभग 14 लाख मीट्रिक टन शहद का उत्पादन होता है। कुल 15 देश इस वैश्विक उत्पादन में लगभग 90 प्रतिशत का योगदान करते हैं। चीन शहद का सबसे बड़ा उत्पादक है, जहां दुनिया के कुल उत्पादन का लगभग 40 प्रतिशत शहद होता है।

घोर निंदनीय घटना

स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास पर की गई कथित मारपीट आप राजनीति की हिंसक कार्यशैली का एक घोर निंदनीय घटना है। यह भरोसा करना मुश्किल हो रहा है कि दिल्ली का बेटा कहे जाने वाले अरविंद केजरीवाल के रहते उनका निजी सचिव विभव कुमार महिला सांसद की बुरी तरह से धुनाई करेगा। स्वाति ने लिखित शिकायत में कहा है कि विभव ने थप्पड़ों, लात–घूसों से, उनके चेहरे, पेट एवं निजी अंगों पर अंधाधुंध प्रहार किया है। दिल्ली पुलिस ने इस राज्य सभा सांसद के आवास पर जाकर उनके लिये बयान के बाद विभव के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। सभ्य–सम्मानजनक एवं न्यायपूर्ण व्यवहार का भरोसा पहले दिल्ली और अब पूरे देश को देने वाला परिसर एक शातिर आखेटस्थल के रूप में सामने आया है। स्वाति ठीक से चल नहीं पा रही हैं एक वीडियो में यह दिखा है। आप की ही एक नेता इसे नौटंकी बता रही हैं। वे घटना के तुरंत बाद थाना जाने के आपातकालीन उत्साह के जैविक स्रोत में और हादसे के बाद उभरने वाली पीड़ा से उत्पन्न असहायता में जानबूझकर फर्क नहीं कर पा रही हैं। यह प्रतिक्रिया आप की कार्यसंस्कृति की भी झलक देती है। खुद मुख्यमंत्री ने इस पर अफसोस जाहिर नहीं किया है और न उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने। जो पति की विरासत सम्हालने की कतार में दूसरे नम्बर पर हैं; एक महिला होने के नाते भी स्वाति से हमदर्दी जता सकती थीं। यहां तक कि सांसद संजय सिंह ने जो मालीवाल से बातचीत करें न्याय का भरोसा दिलाया था, वे खुद विभव के साथ देखे गए। खुद मुख्यमंत्री भी। हालांकि स्वाति ने इस घटना की वजह नहीं बताई है पर यह लगता है कि जो कुछ और जैसे हुआ है, उसमें मुख्यमंत्री एवं उनकी पत्नी सहित उच्चस्तरीय सहमतियां हैं। एक अनुमान अंतरिम जमानत दिलाने वाले वकील को स्वाति से सांसदी छीन कर उन्हें सौंप देने का है। मुख्यमंत्री के जेल जाने के पहले और बाद में स्वाति की बगैर अनुमति की अनुपस्थिति नेतृत्व की खीझ व नाराजगी भी एक अनुमान है। तीसरा अनुमान राज्य सभा में कुछ आप सांसदों के तटस्थ बर्ताव से नेतृत्व के नाखुश होने का है, लेकिन इसे व्यक्त करने का और भी कई बेहतर तरीका हो सकता था। इसके परिणामों को किन्हीं राजनीतिक बाध्यताओं से न प्रभावित होने दिया जाए और न किन्हीं पूर्वाग्रहों से उसकी बेलाग निष्पक्षता को। कानून अपना काम करे।

देवरा के फियर सॉन्ग में दिखा जूनियर एनटीआर का स्वैग

तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने अपनी आगामी एक्शन फिल्म देवराः पार्ट वन के बहुप्रतीक्षित पहले सिंगल का टीजर जारी किया है, जिसका नाम फियर सॉन्ग है. इस गाने को अनिरुद्ध रविचंदर ने गाया है. यह दमदार ट्रैक आज 19 मई को आरआरआर स्टार के 41वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर रिलीज किया जाएगा.

20 मई को जूनियर एनटीआर अपना 41वां जन्मदिन मनाएंगे. उनके जन्मदिन की पूर्व संध्या पर मेकर्स ने आज 19 मई को सिंगल फियर सॉन्ग रिलीज करने का फैसला किया है. हालांकि, उम्मीदों को आसमान पर रखते हुए, जूनियर एनटीआर ने खुद गाने से एक धमाकेदार प्रोमो साझा किया है. इसके अलावा, झलक में अनिरुद्ध रविचंदर को गीत गाते हुए भी दिखाया गया है.

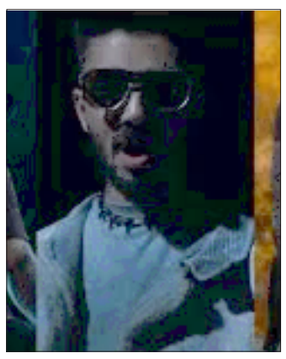

एनटीआर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर टीजर साझा करते हुए लिखा, 19 मई से फियर सॉन्ग...देवरा. 14–सेकंड के प्रोमो में जूनियर एनटीआर को देवरा के किरदार को दिखाया है, जो समुद्र में अपनी सेना के साथ नजर आ रहे हैं. प्रोमो में रॉकस्टार अनिरुद्ध की भी झलक दिखाई गई है. क्लिप का अंत अंधेरी रात में समुंद्र के किनारे खड़े देवरा के साथ होती है. इससे पहले एनटीआर के खून से सने हाथ वाला एक नया पोस्टर साझा किया गया था, जिससे गाने की रिलीज के लिए उत्साह और बढ़ा दिया था.

कोराताला शिवा की निर्देशित देवरा दो भागों में रिलीज होगी. पहला भाग , जिसका नाम– देवराः भाग 1 है, 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. फिल्म में जूनियर एनटीआर के अलावा जाह्नवी कपूर, सैफ अली खान भी हैं. वहीं, प्रकाश राज, श्रीकांत, शाइन टॉम चाको, नारायण और कलैयारासन सहायक कलाकारों का हिस्सा हैं.

हंसल मेहता ने आगामी सीरीज स्कैम 2010–द सुब्रत रॉय का किया ऐलान

मशहूर डायरेक्टर और फिल्म मेकर हंसल मेहता अपनी नई स्कैम सीरीज़ स्कैम 2010: द सुब्रत रॉय सागा के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। डायरेक्टर ने पहले अपनी सीरीज़ स्कैम 1992 और स्कैम 2003 के लिए काफी प्रसिद्धि हासिल की है, और उनकी स्कैम सीरीज़ की सूची में यह नए जुड़ाव आशाजनक लग रहा है।हंसल मेहता ने ट्विटर पर एक टीज़र वीडियो के साथ नई स्कैम सीरीज़ की घोषणा की और लिखा, सीरीज का तीसरा भाग वापस आ गया है! स्कैम 2010: द सुब्रत रॉय सागा, जल्द ही सोनी लिव पर आ रहा है।फिल्म स्कैम 2010, मनमौजी व्यवसायी सुब्रत रॉय की धूल से हीर बनने की कहानी है।

2000 के दशक की शुरुआत में, ग्लैमरस रॉय चिट–फंड हेरफेर से लेकर फर्जी निवेशकों तक के आरोपों के बवंडर में फंस गए, जिसके कारण अंततः 2014 में उनकी गिरफ्तारी हुई।

मजदूर की बेटी ने जापान में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, माता–पिता को ताने मारने वालों की बोलती कर दी बंद

कोबे:भारत की दीप्ति जीवनजी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर टी20 दौड़ में 55.07 सेकेंड के विश्व रिकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। दीप्ति ने अमेरिका की ब्रियाना क्लार्क का 55.12 सेकेंड का विश्व रिकार्ड तोड़ा जो उसने पिछले वर्ष पेरिस में बनाया था।तुर्की की एसिल ओंडेर 55.19 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि एक्वाडोर की लिजांशेला एंगुलो 56.68 सेकेंड का समय निकालकर तीसरे स्थान पर रहीं। टी20 वर्ग की रेस बौद्धिक रूप से अक्षम खिलाड़ियों के लिए हैं। योगेश कथुनिया ने पुरुषों के एफ 56 वर्ग चक्का फेंक में 41.80 मीटर के साथ रजत पदक जीता। भारत ने अब तक एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीत लिए हैं।

ताने मारने वालों को दिया जवाब

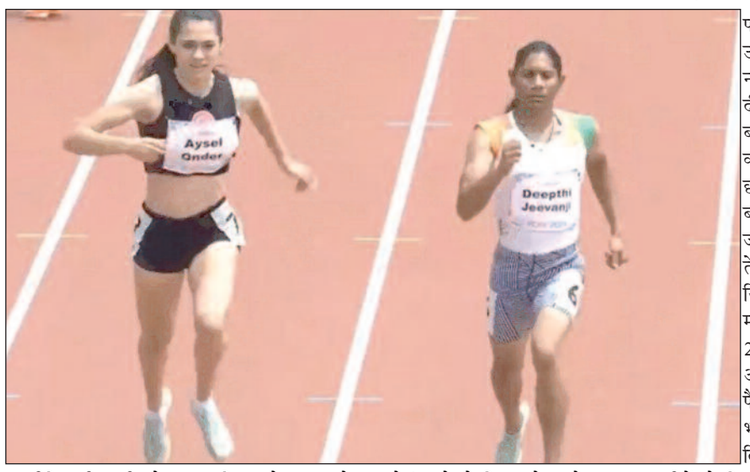

दीप्ति जीवनजी के माता–पिता को लंबे समय तक गांव के लोग 'मानसिक रूप से कमजोर' बच्चे के लिए ताने मारते रहे, लेकिन जापान के कोबे में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उनकी प्रशंसा करते नहीं थक रहे हैं। दीप्ति की जीत के बाद तेलंगाना के कलेडा गांव में स्थित छोटे से घर के बाहर बड़ी संख्या में लोग जश्न मना रहे हैं। तेलंगाना के वारंगल जिले में दिहाड़ी मजदूरों के घर जन्मी 20 वर्षीय दीप्ति ने आगामी पेरिस पैरालंपिक के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। टी20 श्रेणी उन एथलीटों के लिए है जो बौद्धिक रूप से कमजोर हैं।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी की रिलीज तारीख फिर टली

कंगना रनौत अब चुनावी मैदान में उतर चुकी हैं। अभिनेत्री हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में हैं। इस बीच एक बार फिर क्वीन एक्ट्रेस की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी पोस्टपोन हो गई है। कंगना रनौत की प्रोडक्शन कंपनी मणिकर्णिका फिल्म्स की ओर से सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी गई है। मणिकर्णिका फिल्म्स की ओर से एक बयान जारी किया गया है, जिसमें घोषणा की गई कि फिल्म की रिलीज डेट एक बार फिर आगे बढ़ा दी गई है। फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ाने की वजह लोकसभा चुनाव हैं। जारी बयान में कहा गया है, क्योंकि एक्ट्रेस देश के प्रति अपने कर्तव्य और देश की

सेवा करने की प्रतिबद्धता को प्राथमिकता देती हैं। कंगना रनौत ने इस साल की शुरुआत में सोशल मीडिया के जरिए इमरजेंसी की रिलीज डेट का ऐलान किया था। अभिनेत्री ने एक पोस्टर शेयर करते हुए बताया था कि ये फिल्म इसी साल 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लेकिन, अब प्रोडक्शन हाउस की ओर से बताया गया है कि फैंस को फिल्म के लिए अब थोड़ा और इंतजार करना होगा।

प्रोडक्शन हाउस की ओर से जारी पोस्ट में लिखा है– हमारे दिल प्यार से भरे हैं, जिस तरह का प्यार कंगना रनौत को आज के समय में मिल रहा है, वो हम सभी के लिए देखना काफी खुशनसीबी की बात है। कंगना इस समय देश की सेवा करने में जुटी हुई हैं.इस समय देश के लिए उनका कमिटमेंट ही उनके लिए पहली प्रायॉरिटी है। ऐसे में हमारी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया है। हम वादा करते हैं कि फिल्म की नई रिलीज डेट के साथ हम आपके सामने जल्दी ही हाजिर होंगे और आपको निराश नहीं करेंगे। आप सबने जैसे अब तक हमारा सपोर्ट किया है वो करते रहें। इमरजेंसी जल्द ही रिलीज होगी।

अभिषेक–हेड का बल्ला उगलेगा आग या कमिंस के गेंदबाज करेंगे नाइट का शिकार

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के लीग स्टेज के मुकाबले खत्म हो चुके है। चार टीमों ने प्लेऑफ में अपनी जगह बनाई है। राजस्थान रॉयल्स, केकेआर, सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी की टीम अंतिम–4 में पहुंची है। अब आईपीएल 2024 का क्वालीफायर–1 मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद बनाम केकेआर के बीच 21 मई को खेला जाना है, जिसमें जीत हासिल करने वाली टीम सीधा फाइनल में अपनी जगह बनाएगी। वहीं, क्वालीफायर –1 मैच में हारने वाली टीम के पास एक चांस रहेगा कि वह एलिमिनेटर मैच में जीतने वाली टीम के साथ क्वालीफायर में भिड़ेगी।

रोहित शर्मा के आरोपों पर स्टार स्पोर्ट्स का पलटवार, 'हिटमैन' की बातों का दिया सटीक जवाब

नई दिल्ली। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को एक पोस्ट लिखते हुए आईपीएल के ब्रॉडकास्टर चैनल स्टार स्पोर्ट्स पर अपनी भड़ास निकाली थी। रोहित का एक वीडियो चैनल पर चला था जिसमें रोहित हाथ जोड़कर कैमरमैन से अपील कर रहे थे कि वह उनका ऑडियो रिकॉर्ड नहीं करें क्योंकि पहले से ही एक ऑडियो के कारण वह परेशानी झेल चुके हैं। चैनल पर ये वीडियो चल गया था जिस पर रोहित ने गुस्सा जाहिर किया था और अब स्टार स्पोर्ट्स ने इस पर सफाई पेश की है।

रोहित ने कहा था कि उनके मना करने पर भी उनका वीडियो न सिर्फ रिकॉर्ड किया गया बल्कि उसे चैनल पर भी चलाया गया जो उनकी निजता का हनन है। उन्होंने लिखा था कि इस तरह की चीजें एक दिन क्रिकेट, क्रिकेटर्स और फैंस के भरोसे को तोड़ देंगी।

स्टार स्पोर्ट्स ने क्या कहा?

स्टार स्पोर्ट्स ने अपनी सफाई में कहा कि जो वीडियो चला है वो लाइव कवरेज का हिस्सा था इसलिए चैनल पर आ गया लेकिन इसके बाद इस वीडियो का कोई इस्तेमाल नहीं किया गया। स्टार ने अपनी सफाई में लिखा, "16 मई को वानखेड़े स्टेडियम पर ट्रेनिंग सेशन के दौरान जो क्लिप रिकॉर्ड की गई थी, वो स्टार स्पोर्ट्स के पास थी, जिसमें सीनियर प्लेयर अपने दोस्तों से बात कर रहे हैं। इस बातचीत का ऑडियो रिकॉर्ड भी नहीं किया गया और न ही इसे चैनल पर चलाया गया।" चैनल ने आगे लिखा, "एक क्लिप जिसमें सीनियर खिलाड़ी अपील कर रहे हैं कि उनका ऑडियो रिकॉर्ड नहीं किया जाए वो स्टार स्पोर्ट्स की मैच से पहले की जाने वाली लाइव कवरेज में आ गया था लेकिन इसके बाद इस वीडिया का कोई महत्व नहीं था। फैंस को मजेदार पल दिखाने के साथ–साथ खिलाड़ियों की निजता का हम सम्मान करते हैं और हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं।"

एक नजर

क्रिकेट प्रतियोगिता 24 मई से

श्रीनगर गढ़वाल : ऐजंल हेवन स्कूल खंदूखाल में तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता आगामी 24 मई से शुरू होगी। विद्यालय प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद भट्ट ने बताया कि प्रतियोगिता में श्रीनगर सहित आसपास के क्षेत्रों की 10 टीमें प्रतिभाग करेंगी।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच राजकीय इंटर कालेज खंदूखाल और होली एंजिल स्कूल देवली कीर्तिनगर के मध्य खेला जायेगा। बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन भाजपा मंडल अध्यक्ष श्रीनगर जितेंद्र धिरवाण, उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी और भाजपा जिला उपाध्यक्ष लखपत सिंह भंडारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता चंद्रभानू तिवाड़ी द्वारा किया जायेगा। (एजेंसी)

बैग महिला को सौंपा

चमोली : सोमवार को महाराष्ट्र से बदरीनाथ धाम दर्शन हेतु आई रीमा पाटिल ने बदरीनाथ में ड्यूटी में नियुक्त आरक्षी नैन सिंह को बताया कि उनका बैग जिसमें उनके दस हजार रूपये, मोबाइल फोन और जरूरी कागजात हैं, कहीं खो गया है। बदरीनाथ थानाध्यक्ष नवनीत भंडारी ने बताया महिला यात्री द्वारा दी गई जानकारी पर पुलिस कर्मी ने एक घण्टे की खोज के बाद बैग, नकदी, मोबाइल फोन और व जरूरी कागजात महिला को सौंपा। वृद्ध और दिव्यांग तथा शारीरिक रूप से विवश यात्रियों को दर्शन कराने में भी पुलिस सहायता कर रही हैं। (एजेंसी)

शिक्षक नियुक्त न होने पर आंदोलन करेंगें अभिभावक

चमोली : राजकीय कन्या उच्चतर प्राथमिक विद्यालय चोपता में शिक्षकों की मांग को लेकर अभिभावक संगठन और स्थानीय ग्रामीणों ने उप शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया है कि यदि शीघ्र ही विद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की गई तो ग्रामीणों को बाध्य होकर जन आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा। ज्ञापन में बताया गया है कि विद्यालय में 28 छात्र-छात्राएं अध्यनरत हैं। जबकि विद्यालय में पूर्व में तीन अध्यापक नियुक्त थे। उनमें से एक शिक्षिका को व्यवस्था पर विकासखंड थराली स्थानांतरित किया गया है।

अभिभावकों का कहना है कि उक्त अध्यापिका का स्थानांतरण स्थाई रूप से किया जाए जिससे नए शिक्षक की नियुक्ति हो सके। बताया कि विद्यालय में यदि शीघ्र शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की गई तो उन्हें आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा। ज्ञापन में क्षेत्र पंचायत सदस्य चोपता मुकेश कुमार, ग्राम प्रधान चोपता पृथ्वी सिंह नेगी, ग्राम प्रधान तूनेडा सुनीता देवी ग्राम प्रधान लोदला सरिता देवी,शिक्षक अभिभावक संगठन के सदस्यों समेत अन्य कई के हस्ताक्षर हैं। उप शिक्षा अधिकारी अनी नाथ ने बताया की विद्यालय शिक्षक की नियुक्ति के आदेश कर दिए हैं।

अलकनन्दा का जल स्तर बढ़ा

चमोली : अलकनंदा नदी का जल स्तर रविवार की तरह सोमवार को भी बढ़ने से बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के अंतर्गत चल रहे रिवर फ्रंट का काम बाधित रहा। नदी का जल स्तर बढ़ने से रीवर फ्रंट निर्माण कार्य में लगी कटर मशीन भी पानी में डूब गई है। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना का कहना है कि बदरीनाथ में अलकनंदा नदी का जल स्तर कुछ बढ़ने से रीवर फ्रंट के निर्माण कार्य में थोड़ी बाधा आई है। जल स्तर घटते ही काम तेजी के साथ शुरू किया जाएगा। (एजेंसी)

72 पव्वों के साथ एक गिरफ्तार

नई टिहरी : कोटी कॉलोनी चौकी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक व्यक्ति से 72 पव्वे अंग्रेजी शराब को बरामद किए। पुलिस मीडिया सेल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चौकी कोटी कॉलोनी, कोतवाली नई टिहरी पुलिस ने आरोपी शिव कुमार पुत्र पन्नूराम ग्राम बनगई, श्रावस्ती उत्तर प्रदेश हॉल निवासी माजिट कैम्प खांडखाला, 72 पव्वे अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया। टीम में एसआई सुनील पन्त, कुलदीप सिंह शामिल रहे। (एजेंसी)

बिजली जक्शन बॉक्स में लगी आग, बड़ा हादसा टला

हरिद्वार। नगर निगम क्षेत्र की पॉश कॉलोनी में रविवार आधी रात को विद्युत लाइन में फॉल्ट आने से विद्युत जक्शन बॉक्स में आग लग गई। गनीमत रही की फॉल्ट आने के दौरान चिंगारी उठने से पास खड़े एलपीजी गैस सिलेंडर से भरे ट्रक में आग नहीं लगी, अन्यथा कॉलोनी में बड़ा हादसा हो सकता था।

लाखों खर्च करने के बाद भी बदहाल स्थिति में पड़ा पार्क

● सिद्धबली मार्ग के समीप बदहाल पार्क की नहीं ली जा रही सुध ● बच्चों के खेलने के लिए लगाए गए झूले व ओपन जिम भी टूटा

कोटद्वार के श्री सिद्धबली मंदिर के समीप पार्क में टूटे झूले

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गर्मी के मौसम में सूर्योदय से पूर्व व सूर्योदय के बाद शहरवासी अपने बच्चों को लेकर पार्क में खेलने के लिए निकलते हैं। लेकिन, सिद्धबली मार्ग के समीप लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी पार्क बदहाल स्थिति में पड़ा हुआ है। हालत यह है कि बच्चों के खेलने के लिए लगाए गए झूले व ओपन जिम का सामान भी पूरी तरह टूट चुका है। साथ ही पार्क से कूड़ेदान व गमले भी गायब हो चुके हैं। पार्क की बदहाली के कारण शहरवासियों को इसका बेहतर लाभ नहीं मिल पा रहा है।

साल 2021 में कालागढ़ टाइगर रिजर्व वन प्रभाग के बजट से सिद्धबली पार्क का जीर्णोद्धार करवाया गया था। इसके लिए बकायदा पार्क में दस लाख रुपये खर्च कर बच्चों का ओपन जिम भी तैयार किया गया। लेकिन, वर्तमान में पार्क अपनी पुरानी स्थिति में पहुंच चुका है। पार्क के सौंदर्यीकरण के लिए लगाए गए गमले व टाइल्स भी गायब हो चुके हैं।

हालत यह है कि शाम ढलते ही पार्क असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है। शहरवासी श्याम सिंह, मीना देवी ने बताया कि कई बार बच्चों के झूलों में बड़े व्यक्ति भी झूलने लगते थे। जिससे वह टूट चुके हैं।

यहां कबाड़खाना बन गया पार्क

नगर निगम के समीप मालवीय उद्यान पार्क भी नगर निगम ने कबाड़खाना बना दिया है। नतीजा इस पार्क का भी शहरवासियों को लाभ नहीं मिल पा रहा। दरअसल, नगर निगम अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान जितना भी सामान जब्त करता है उसे उसमें ही फेंक देता है। इससे बच्चों के चोटिल होने का भी खतरा बना रहता है।

फिर दिखा गुलदार, दहशत में लोग

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर क्षेत्र में रविवार देर रात एक बार फिर गंगा दर्शन मोड पर गुलदार दिखाई दिया। कुछ युवाओं ने इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल की है। क्षेत्र में गुलदार दिखने से लोगों में दहशत है। स्थानीय निवासी अंजुल रावत ने बताया कि वह रविवार रात को अपने दोस्तों के साथ वाहन से सफर कर रहे थे, करीब साढ़े ग्यारह बजे गंगा दर्शन के पास गुलदार सड़क से नीचे की ओर गुजरते हुए दिखा। बीते शुक्रवार को गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर स्थित महिला छात्रावास के पास डांग जाने वाले तिराहे पर गुलदार ने तीन वर्षीय सूरज को मार डाला था। वहीं दूसरी तरफ वन विभाग भी श्रीनगर में गुलदार को पकड़ने की कोशिश कर रहा है। नागदेव रेंज के वनक्षेत्राधिकारी ललित मोहन नेगी ने बताया कि घटना स्थलों सहित दो जगहों पर वन विभाग ने तीन पिंजरे भी लगाए हुए हैं। इसके साथ ही 7 ट्रैप कैमरों की मदद से गुलदार की चहलकदमी पर वन विभाग नजर बनाये हुए है।

मृत्यु के बाद भी दुनियां को देखेंगी दर्शनी देवी की आंखे

फाइल फोटो: स्व. दर्शनी देवी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मृत्यु के बाद भी बालासौड़ निवासी स्व. दर्शनी देवी 87 वर्षीय की आंखें दुनिया का दीदार करेंगी। दर्शनी देवी की मृत्यु के बाद जरूरतमंद के लिए उनकी आंखें दान कर दी है। हर कोई व्यक्ति दर्शनी देवी के इस कार्य की प्रशंसा कर रहा है।

बालासौड़ निवासी दर्शनी देवी (87 वर्ष) ने कुछ दिन पूर्व अपनी आंखें दान करने का निर्णय लिया था। उन्होंने अपने पोते आयुष जोशी को अपनी इस इच्छा के बारे में बताया। जिसके बाद स्वजनों ने निर्मल आश्रम आई इंस्टीट्यूट को इसकी जानकारी दी गई। सोमवार को दर्शनी देवी का निधन हुआ। जिसके बाद स्वजनों की सूचना पर इंस्टीट्यूट की टीम दर्शनी देवी के घर पहुंची और आंख का कार्निया प्राप्त किया।

अब मौत के बाद भी दर्शनी देवी की आंखें यह संसार देखेगी। परिजनों से मिलने के लिए आने वाला प्रत्येक व्यक्ति स्व. दर्शनी देवी के इस कार्य की प्रशंसा कर रहा है।

आरपी बना सब जूनियर फुटबॉल चैंपियन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : चतुर्थ स्वर्गीय कुंदन सिंह रावत स्मृति सब जूनियर फुटबॉल चैंपियनशिप 2024 का खिताब आरपी स्कूल ने अपने नाम किया। फाइनल मैच में आरपी स्कूल ने बाल भारती स्कूल को 3-1 से पराजित किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त कर्नल चंद्रपाल पटवाल, विशिष्ट अतिथि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल कोच सुनील रावत ने विजेताओं एवं उप विजेता टीमों को ट्राफी देकर पुरस्कृत किया गया।

सब जूनियर फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन बाल भारती स्पोर्ट्स कंपलेक्स कोटद्वार में किया गया। जिसमे कोटद्वार क्षेत्र की 16 टीमों ने प्रतिभाग किया। सोमवार को सेमीफाइनल मैच में बाल भरती के शिव और ओम के गोल की बदोलत कॉन्वेट को 2-0 से पराजित कर फाईनल में जगह पक्की की। दूसरे सेमीफाइनल मैच में आरपी ने एमकेवीएन को 2-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मैच में आरपी स्कूल ने बाल भारती स्कूल को 3-1 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। इस मौके पर शारीरिक शिक्षक सुरदीप गुसाईं, युजवेंद्र औ शिवम ने उदयीमान खिलाड़ी रौनक, उदयीमान गोलकीपर सौरभ पटवाल, सर्वोच्च प्लेयर अभिज्ञान भट्ट को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर गिरिराज सिंह रावत ने निर्णायकों को सम्मानित किया।

सिंचाई व्यवस्था सुचारू न होने पर भड़के ग्रामीण

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड खिर्सू के अंतर्गत ग्राम पंचायत मंदोली में सिंचाई व्यवस्था सुचारु न होने पर ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त किया है।

सोमवार को गांव में सिंचाई व्यवस्था सुचारु किये जाने की मांग को लेकर भाजपा जिला मंत्री जितेंद्र रावत के नेतृत्व में ग्रामीण सिंचाई विभाग श्रीनगर के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन प्रेषित किया। मौके पर ग्राम प्रधान मंदोली की प्रधान सुरभि रावत, पंकज रावत, मीना देवी, यशोदा देवी, सुधा देवी, विजयपाल सिंह, प्रीतम सिंह, विरेंद्र सिंह, विजय बहुगुणा, शुम्भु प्रसाद, बालम सिंह, मनवर सिंह, विनोद सिंह आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

बोर्ड परीक्षाओं के अव्वल विद्यार्थी व समाज सेवी हुए सम्मानित

कोटद्वार में धूमधाम के साथ मनाया गया प्रवासी रिखणीखाल महोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रवासी रिखणीखाल समिति की ओर से प्रवासी रिखणीखाल महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। बच्चों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाओं में अव्वल स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों व समाज सेवियों को भी सम्मानित किया गया।

निंबूचौड़ में प्रवासी रिखणीखाल महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि लैंसडौन विधायक दिलीप रावत ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि ने समिति की ओर से इस तरह के आयोजनों की प्रशंसा की। कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से प्रवासियों का गांव के लोगों से मिलन होता है और गांव के विकास के लिए नई योजनाएं बनती हैं।

कोटद्वार में आर्याजित प्रवासी रिखणीखाल महोत्सव में विधायक दिलीप रावत को सम्मानित करते सदस्य

तत्पश्चात समिति की ओर से मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। महोत्सव में लोक कलाकारों और बाल कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम संयोजक अमित नेगी ने भविष्य में भी आयोजन को जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम में नीरज पंत, सुनीता रावत, ठाकुर सिंह रावत, श्याम प्रसाद कोटनाला, अमर सिंह नेगी, राकेश देवरानी, शोभा रावत, लक्ष्मी रावत, दीपा पटवाल, आनन्द प्रकाश अग्ग्री, भगवती मैंदोला और सुरेंद्र बिष्ट सहित बड़ी संख्या में प्रवासी रिखणीखालवासी शामिल रहे।

हैप्पी होम पब्लिक स्कूल की सिमरन रही प्रथम

अभाविप की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कोटद्वार इकाई की ओर से इंडिया जीनियस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में हैप्पी होम पब्लिक स्कूल की सिमरन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ बाल भारती स्कूल के प्रधानाचार्य गिरिराज सिंह रावत ने किया। प्रतियोगिता में हैप्पी होम स्कूल की खुशबू ने द्वितीय और एवीएन पब्लिक स्कूल की जया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में आर्य कन्या इंटर कॉलेज, बलूनी पब्लिक स्कूल, एवीएन पब्लिक स्कूल, स्कॉलर्स होम पब्लिक स्कूल, आरपी पब्लिक स्कूल व हैप्पी होम पब्लिक स्कूल के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नीरज ढौंडियाल सहित अभाविप के जिला संगठन मंत्री मृदुल भट्ट, आयुष त्रिपाठी, प्रियांशु भट्ट और अजय नेगी आदि कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया।

संयुक्त टीम ने कारोबारियों को दी रेट लिस्ट चस्पा करने की हिदायत

नई टिहरी : यात्रा रूटों पर व्यवस्थाओं के निरीक्षण के लिए डीएम मयूर दीक्षित ने निर्देश पर गठित संयुक्त टीम ने सोमवार को चंबा से कंडीसौड़ तक यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। टीम में विभिन्न विभागों के कर्मियों ने कारोबारियों, ढाबा संचालकों, पेट्रोल पंप संचालकों और फूटकर दुकानदारों को रेट लिस्ट चस्पा करने के साथ ही ओवर रेटिंग न करने की हिदायत दी। टीम ने चंबा से लेकर कंडीसौड़ तक निरीक्षण के दौरान खाद्य सप्लाई वाहनों की चैकिंग के साथ-साथ विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों में परचून की दुकान, होटल, ढाबा, रेस्टोरेन्ट और पेट्रोल पम्प आदि प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। बिना खाद्य लाइसेन्स कारोबार करने व मौके पर पाई गई कमियों में सुधार के लिए छह से अधिक कारोबारियों को नोटिस जारी किए गए। जिसमें निर्धारित समय सीमा में कमियों को दूर कर सुधार की सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। (एजेंसी)

एसजीआरआर में पांच दिवसीय समर कैंप शुरू, बच्चों ने की मस्ती

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : श्री गुरू राम राय पब्लिक स्कूल पदमपुर में पांच दिवसीय समर कैंप शुरू हो गया है। जिसमें प्राइमरी विंग के नन्हें-मुन्नों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान बच्चों को तरह-तरह की गतिविधियों से अवगत कराया गया। कैम्प में इंडोर गेम्स व पूल पार्टी के अलावा बच्चों ने आर्ट एण्ड क्राफ्ट भी सीखा तथा योग के कुछ आसन भी सीखें। साथ ही कार्टून फिल्मों का भी आनन्द लिया।

एसजीआरआर पदमपुर में चल रहे समर कैंप में बच्चें योग का अभ्यास करते हुए।

सर्वप्रथम विद्यालय के प्राथमिक विभाग को सुन्दर रंग-बिरंगें फूलों और विभिन्न कलाकृतियों से सजाया गया। समर कैंप का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी मेघना मैंदोला ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान सभी कक्षाओं के बच्चों ने नृत्य, योग, इंडोर गेम, पूल पार्टी का आनन्द लिया। बच्चे सबसे अधिक पूल पार्टी का आनन्द ले रहे थे। पानी की फुहारों तथा बड़े-बड़े स्वीमिंग पूल में बच्चों ने स्नान व नृत्य का आनन्द लिया। एलकेजी और यूकेजी के नन्हें बच्चों के नृत्य ने सबका मन मोह लिया। अभिभावकों ने समर कैंप की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास में बहुत उपयोगी होते हैं। प्रभारी प्रधानाचार्य तनुका राय ने समर कैंप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समर कैंप में बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियां होती हैं, जिससे बच्चों की छुपी प्रतिभा सामने आती है और आत्मविश्वास बढ़ता है और बच्चे मौज-मस्ती करते हैं, जिससे उन पर पढ़ाई का दबाव कम हो जाता है। कहा कि समर कैंप में बच्चों को कुछ नया सीखने का मौका मिलता है तथा बच्चों में टीमवर्क करने की भावना जाग्रत होती है।

करियर काउंसलिग में छात्रों को मिला मार्गदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राजकीय इंटर कॉलेज खोलाचौरी में सोमवार को करियर काउंसलिंग एवं गाइडेंस का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों ने कैरियर को लेकर कई प्रश्न पूछे। जिसमें पढ़ाई के समय कैरियर को कैसे चुना जाए। इस मौके पर करियर काउंसलर ने बच्चों को आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन दिया।

सोमवार को स्कूल में आयोजित करियर काउंसलिंग एवं गाइडेंस में प्रो. डीएस नेगी ने छात्र-छात्राओं को न्यूरोलिंग्वीस्टिक प्रोग्राम के तहत माइंड साइंस और बायोमैथेमेटिक का मानव जीवन में प्रभाव अध्ययन के महत्व को समझाया। पुष्पा नेगी ने छात्र-छात्राओं को अपने अध्ययन में बायो साइंस के माध्यम से माइंड डोज को बड़े आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया।

स्कूल के प्रधानाचार्य सुरेश आर्य ने गणितज्ञ डीएस नेगी और पुष्पा नेगी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा मांइड साइंस के माध्यम से छात्र-छात्राओं को उनके लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दिया गया।

इस मौके पर वंदना ध्यानी, आरती गुसाईं, रश्मि सेमवाल, विद्योत्तमवती, कल्पना जोशी, वंदना शाह, वीरेंद्र खकरियाल मौजूद रहे।

रुद्रनाथ ट्रैक पर भोजन-पानी को तरस रहे यात्री

चमोली : रुद्रनाथ पैदल मार्ग से कच्ची दुकानें और टेंटों को हटाने का विरोध शुरू हो गया है। वहीं यात्रा पथ पर सोमवार को यात्री और पर्यटक पानी के लिए भी तरसते दिखे। केदारनाथ वन्य जीव वन प्रभाग द्वारा रुद्रनाथ ट्रैक पर से अतिक्रमण हटाने के विरोध में पुंग और ल्वींठी बुग्याल में भी सोमवार को सभी अस्थाई दुकानें बंद रही। वन विभाग की कार्रवाई का तीर्थयात्रियों ने भी विरोध जताया है। रुद्रनाथ ट्रैक पर ग्वाड़, सगर, गंगोलगांव, कुजौंमैकोट गांव के ग्रामीण छानियों और ढाबे संचालित करते हैं। यहां की जनता ने भी वन विभाग की कार्रवाई के विरोध में आन्दोलन की चेतावनी दी है। (एजेंसी)

जहरीला धुंआ उगल रही फैक्ट्रियां, कांग्रेस ने जताया रोष

कोटद्वार में उपजिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजते कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत जशोधरपुर स्टील फैक्ट्रियों से निकल रहे जहरीले धुएं के खिलाफ कांग्रेस ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि धुएं के कारण आसपास के लोगों का सांस लेना भी दूभर हो गया है। साथ ही लोगों को संक्रामक बीमारियों का भी खतरा बना हुआ है। समस्या के संबंध में कांग्रेसियों ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। जिलाध्यक्ष विनोद डबराल ने बताया कि जशोधरपुर स्टील फैक्टियों में लोहा उपयोगी सामग्री तैयार की जाती है। वर्तमान में इंडस्ट्रीयल एरिया जशोधरपुर में दर्जनों स्ट्रील फैक्ट्रियां संचालित हो रही है। स्टील फैक्ट्रियों से निकल रहा काला धुंआ जन स्वास्थ्य के लिए घातक बन रहा है। आरोप है कि स्टील फैक्ट्रियां मानकों का उल्लंघन कर रहा है। काले धुएं से आसपास के क्षेत्र में फसलों व वनस्पतियों को भी नुकसान पहुंचा रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल से प्रदूषण फैला रही स्टील फैक्ट्रियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए संबधित विभाग को निर्देशित करने की मांग की है। मांग न माने जाने पर स्थानीय लोगों के सहयोग से आंदोलन की चेतावनी दी है। इस मौके पर रंजना रावत, बलवीर सिंह रावत, गोपाल गुसांई, मो.स्वाले, भीमेंद्र पंवार, विजय नेगी, विनोद नेगी मौजूद रहे।

50 जरूरतमंद बच्चों को वितरित की शिक्षण व लेखन सामग्री

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : रोटरी क्लब श्रीनगर व भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी पौड़ी द्वारा जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को शिक्षण व खेल सामाग्री वितरित की गई। जीआईसी उज्याड़ी, डीएवी कॉलेज, क्वार्क, केवर्स सहित 14 विद्यालयों के 50 छात्र-छात्राओं को सामाग्री दी गई। इस सामाग्री को पाकर बच्चे काफी खुश नजर आए।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की उपस्थिति में रोटरी क्लब श्रीनगर व भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी पौड़ी द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को शिक्षण सामाग्री व इंडोर स्टेडियम पौड़ी के बच्चों को खेल सामाग्री वितरण किया गया। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं को बताया

कि शिक्षा के बगैर जीवन में किसी अच्छे मुकाम तक पहुंचना मुश्किल है, इसलिए बच्चों को नियमित विद्यालय जाकर शिक्षक ग्रहण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के निरंतर अभ्यास से बच्चों को सफलता प्राप्त होती है। कहा कि साक्षरता की ताकत किसी भी घर परिवार और समाज के साथ उस देश के विकास की नीव को मजबूत करता है। जिलाधिकारी ने कहा कि समय मिलते ही हर दिन अच्छी-अच्छी किताबों का अध्ययन करना, मोबाइल फोन का सही उपयोग करना और अवकाश के दिन भी समय निकालकर पठन-पाठन पर विशेष ध्यान दें, जिससे आगे अपनी सफलता हासिल कर सकोगे। रोटरी क्लब के अध्यक्ष राहुल कपूर ने कहा कि रोटरी क्लब द्वारा जरूरतमंद बच्चों की हर संभव मदद की गई है और आगे भी अन्य विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को लेखन सामग्री सहित अन्य आवश्यक सामग्री जरूरतमंद बच्चों को उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरान रोटरी क्लब के सचिव खिलेंद्र चौधरी, रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव केसर असवाल सहित जसपाल सिंह, विक्रम सिंह, रोजश रावत, राजेंद्र भंडारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

जनता मिलन में 4 शिकायतों का डीएम ने किया निराकरण

नई टिहरी : डीएम मयूर दीक्षित ने सोमवार को जनता मिलन कार्यक्रम में फरियादियों की समस्याएं सुनीं। मौके पर डीएम ने चार शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया। इस मौके पर डीएम ने कहा कि सभी अधिकारी जनता दरबार, तहसील दिवस, बीडीसी बैठक, सीएम हेल्पलाइन व बहुद्देशीय शिविर में पंजीकृत शिकायतों का तय समय में निस्तारण सुनिश्चित करें। सोमवार को आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में कंडीसौड़ के ग्राम डांग के अत्तर सिंह चौहान ने अपने मछली फार्म तालाब से स्थानीय लोगों के लिए आपातकालीन पेयजल आपूर्ति के लिए अनापति प्रमाण की मांग की। जिस पर ईई जल निगम चम्बा को आवश्यक कार्यवाही करने को

डीएम ने कहा। क्षेत्र पंचायत सदस्य देवरी मल्ली ने सामुदायिक स्वास्थ्य उपकेन्द्र बहेड़ा, चम्बा में डॉक्टर की तैनाती करने तथा दवाइयों के पर्याप्त भण्डारण का अनुरोध किया। जिस पर कार्यवाही के सीएमओ को मौके पर निर्देश दिए गये। किशोरी लाल व सोहन लाल ने लोनिवि कीर्तिनगर एवं पीएमजीएसवाई द्वारा डागर कोठार-गोदी मोटर मार्ग परियोजना निर्माण के दौरान ब्लास्टिंग व खनन से उनके घरों को रहे नुकसान की क्षतिपूर्ति एवं जांच कराने की मांग की।

एक नजर

किमाड़ी के हिडन वाटर फॉल में लोगों की आवाजाही बंद हो

देहरादून। किमाड़ी स्थित हिडन वॉटर फॉल में बड़ी संख्या में लोगों के पिकनिक मनाने के लिए पहुंचने पर स्थानीय ग्रामीणों ने कड़ा एतराज जताया है। सोमवार को स्थानीय लोगों ने इस मामले में जिला प्रशासन के साथ ही वन विभाग, जल संस्थान और पुलिस को शिकायत देकर लोगों की अनावश्यक आवाजाही रोकने की मांग की है।दून शहर समेत आसपास के गांव में जिन जल स्रोतों से पेयजल की सप्लाई हो रही है, उनमें इन दिनों पिकनिक मनाने वालों की भीड़ जुट रही है। इसका आसपास के लोग विरोध कर रहे हैं तो झगड़े की नौबत आ रही है। किमाड़ी स्थित हिंडन वॉटल फॉल में पिछले दो दिन कई बार विवाद की स्थिति बनी। किमाड़ी निवासी विजय पुंडीर के मुताबिक हिडन वाटर फॉल से आसपास के 8–10 गांवों को पानी की सप्लाई होती है। लेकिन यहां लोगों के पिकनिक मनाने पहुंचने की वजह से लगातार गंदगी फैल रही है। पानी भी प्रदूषित हो रहा है। स्थानीय लोग विरोध करते हैं तो विवाद की स्थिति बन रही है। उन्होंने इस मामले में कार्रवाई की मांग की है।

निर्माण कार्यों में रोक के बावजूद पेयजल के इस्तेमाल का आरोप

देहरादून। टुंब परिवार सामाजिक संस्था ने निर्माण कायी में रोक के बावजूद धडल्ले से पेयजल के हो रहे इस्तेमाल पर हैरानी जताई है। चुक्खुवाला में हुई बैठक में उत्तराखंड प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह ललकार ने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन व जल संस्थान की रोक महज दिखावा है। चूंकि अभी तक ऐसे किसी मामले में सख्त कार्रवाई नहीं हुई है। चुक्खुवाला में ही कई जगह पर निर्माण कार्यों में पेयजल का इस्तेमाल हो रहा है। ऐसा ही शहर के अन्य स्थानों पर भी हो रहा है। भरी गर्मी में जनता पानी को तरस रही है और निर्माण कार्यों में रोक के बाद भी बे रोक टोक पानी का अवैध इस्तेमाल हो रहा है। मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण गोपाल रुहेला, अमित वर्मा, राहुल सोनकर, राकेश शर्मा, राकेश कुमार भट्ट, शिवम् भट्ट, दीपक गुसाईं, संदीप गुप्ता, चन्दर मोहन अरोड़ा, विजेंद्र सेमवाल, कैलाश सेमवाल, गुरदीप कौर, कुलबीर कौर चन्नी, लक्ष्मी पाल, दारा सिंह, वेद गुप्ता, अरविन्द मल्होत्रा, हेमंत शर्मा, मनप्रीत सिंह, राजेश नाथ मौजूद थे।

स्कूल उत्सव में छात्रों ने मचाया धमाल

देहरादून। द हैरिटेज स्कूल न्यू कैंट रोड में सोमवार को स्कूल उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें स्कूल के जूनियर एवं सीनियर के छात्रों ने खूब धमाल मचाया।कार्यक्रम में खेलों व खाद्य सामग्री के स्टॉल लगाए गए। जिसमें लक्की डिप, फीड ल क्लाउन, हूपला, डिप द क्वॉइन खेलों से बच्चों ने जमकर आनंद लिया। उत्सव सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक चला। इस दौरान जैम सेशन मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा और बच्चों को जैम सेशन काफी पसंद आया। क्योंकि पढ़ाई से हटकर वे अपने पसंदीदा गानों में जमकर थिरके और सभी को मंत्रमुग्ध भी किया। इस दौरान स्कूल परिसर में अलग ही माहौल दिखाई दिया और जिसमें सभी बच्चो बड़े ही उत्साहित नजर आ रहे थे। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन चौधरी अवधेश कुमार, निदेशक विक्रांत चौधरी,निवेदिता ढौढियाल सहित शिक्षक शिक्षिकायें एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

मुंबई के युवक ने निवेश के नाम पर 1.54 लाख हड़पे

हरिद्वार। निवेश के नाम पर एक व्यक्ति से 1.54 करोड़ की रकम हड़प ली गई। हकीकत सामने आने पर पीड़ित ने इस संबंध में मुंबई निवासी आरोपी के खिलाफ कोतवाली रानीपुर में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। क्षेत्र की पॉश कालोनी शिवालिक नगर के 203–एच कलस्टर में जय किशोर सिंघल पुत्र त्रिलोक चंद सिंघल अपने परिवार के साथ रहते है।

शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी मुलाकात प्रिजेष अरुण कुमार कुरानी निवासी कोठरी बिल्डिंग गोकली बाई स्कूल के सामने संन्यास आश्रम लेन, विले पार्ले मुंबई से किसी परिचित के माध्यम से हुई थी। आरोप है कि प्रिजेष कुमार ने बताया था कि वह निवेश कराने का कार्य करता है और उसके कहने पर निवेश करने पर बेहतर मुनाफा होगा।

उसने कई निवेशकों के संबंध में विस्तार से जानकारी भी दी। आरोप है कि उस पर विश्वास करते हुए उसने अप्रैल 2021 में अलग–अलग तिथियों में उसके बैंक खाते में 1.54 करोड़ की रकम ट्रांसफर कर दी।

मोदी के नेतृत्व में विश्व में बज रहा भारत का डंका : महाराज

सोनीपत की चुनावी रैली में गरजे महाराज

देहरादून/सोनीपत (हरियाणा)। मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अभी तक 04 करोड़ पक्के घरों का निर्माण किया है और अब हमने अपने संकल्प पत्र के माध्यम से 03 करोड़ घर और बनाने का संकल्प लिया है। मोदी सरकार ने जन धन योजना, पीएम गरीब कल्याण योजना, हर घर जल योजना, स्मार्ट सिटी नमामि गंगे योजना के अलावा वंदे भारत ट्रेन, 80 नए एयरपोर्ट, संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण और नए संसद भवन की सौगात भी देश के लोगों को दी है।

उक्त बात प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक सतपाल महाराज ने सोमवार को लक्ष्मी पैलेस, सफीदो, जींद जिला, हरियाणा में सोनीपत से भाजपा लोकसभा प्रत्याशी मोहन लाल बडोली के समर्थन में आयोजित विशाल चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि आर्थिक समृद्धि के मामले में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। कहा कि भाजपा ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, धारा 370 को हटाने और तीन तलाक को खत्म करने जैसे सभी वादे पूरे किए हैं। पीएम मोदी की उज्ज्वला योजना से देश की 10 करोड़ 35 लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। हमने सस्ता गैस सिलेंडर घर-घर पहुंचा है अब सस्ती रसोई गैस को पाइप लाइन के माध्यम से पहुंचने का संकल्प लिया है। भाजपा के स्टार प्रचारक श्री महाराज ने कहा कि आर्थिक समृद्धि के मामले में 2014 से अब तक मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में हम भारत को 11वें स्थान से 5वें स्थान पर ले आये हैं। भाजपा के संकल्प पत्र के माध्यम से अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने के संकल्प के साथ-साथ 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की भी गारंटी दी है। श्री महाराज ने कहा कि आज केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शक्तिशाली नेतृत्व के कारण विश्व में भारत का डंका बज रहा है। इस अवसर पर राजू मोर, कर्मवीर सैनी, विजयपाल, सुरेश कौशिक, श्रवण गर्ग, बच्चन सिंह आर्य, ललित मित्तल, राजबीर, जयकिशन सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

इतालवी कोच हांशी ने कराटे से नई तकनीक सीखे कोच

देहरादून। देश के कराटे कोचों के लिए परेड ग्राउंड देहरादून में आयोजित कार्यशाला में सोमवार को इटली के प्रसिद्ध कोच हांशी प्रिएत्रों जुपा ने कराटे की नई तकनीक बताई। कार्यशाला में उत्तराखंड समेत पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र मध्यप्रदेश आदि के कोचों ने हिस्सा लिया। इतालवी प्रशिक्षक हांशी प्रिएत्रो विश्व के एकमात्र प्रशिक्षक हैं, जिनकी टीम पिछले चार साल से लगातार विश्व चैंपियन हैं। ऐसे में उनसे प्रशिक्षण प्राप्त कर कोच काफी उत्साहित हैं। प्रशिक्षण इंडियन रेनबुकन कराटे डू एसोसिएशन की ओर से आयोजित किया गया था। उत्तराखंड के कोच अरविंद कुमार कोटनाला ने बताया कि इस दौरान विभिन्न वर्गों की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। साथ ही सुभाष चंद्र शतपथी को सम्मानित भी किया गया।

सरकारी जमीनों से अतिक्रमण हटाने को चलाएं अभियान

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका ने अफसरों को सरकारी जमीनों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण की कई शिकायतें मिली। जिस पर उन्होंने कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डीएम के सामने कुल 84 शिकायतें मिलीं। खासतौर अतिक्रमण और जमीनों से जुड़े विवाद की तमाम शिकायतें मिली हैं। साथ ही जौलीग्रांट में सील भूमि पर निर्माण होने, ननूरखेड़ा में सफाई न होने के साथ ही चकराता में लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही सड़क मानक अनुरूप न होने की शिकायत लोगों ने की। डीएम ने सभी उपजिलाधिकारियों के साथ ही नगर निगम और नगर निकाय के अधिकारियों से सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाने को कहा। उन्होंने जौलीग्रांट में सील जमीन पर निर्माण के मामले में एसडीएम डोईवाला और एमडीडीए को कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने डेंगू और मानसून को देखते हुए नालों की सफाई पर भी रिपोर्ट मांगी। डीएम सोनिका ने कहा कि पेयजल शिकायतों को लेकर तीन कंट्रोल रूम संचालित किए जा रहे हैं। इनमें आ रही शिकायतों की लगातार निगरानी की जा रही है। जनसुनवाई में अपर मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम बीर सिंह बुदियाल, एडीएम वित्त रामजी शरण शर्मा, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रम सिंह, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार, एसडीएम सदर हरगिरी, एसडीएम मुख्यालय शालिनी नेगी, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी विद्याधर कापड़ी, अधिशासी अभियंता ऊर्जा निगम राकेश कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

गोल्ड कप में प्रियांश के शतक से जीती दिल्ली

देहरादून। ऑल इंडिया उत्तराखंड गोल्ड कप किक्रेट टूर्नामेंट के सोमवार को सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल में खेले गए मुकाबले में प्रियांश की शतकीय पारी के दम पर दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन(डीडीसीए) ने बिहार इलेवन को आठ विकेट से हराया। दूसरे मैच में दिल्ली चैलेजर्स ने सात विकेट से जीत दर्ज की।डीडीसीए और बिहार के बीच हुए मैच में बिहार ने पहले बल्लेबाजी की। टीम की शुरुआत खराब रही। 34.3 ओवर में 241 रन के स्कोर पर पूरी टीम आउट हो गई। बिहार के लिए गौतम जोशी ने सर्वाधिक 88, विवेक कुमार ने 44 रनों की पारी खेली। दिल्ली के लिए सिद्धार्थ शर्मा ने चार विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरुआत धमाकेदार रही। सलामी बल्लेबाज प्रियांश ने 104, सलिल ने 63 रनों की पारी खेली। इसके बाद ज्योति सिद्धू ने 29 गेंदों में 56 रन जड़कर 30वें ओवर में टीम को जीत दिला दी।

गेंदबाजों के दम पर जीती दिल्ली चैलेंजर्स

अभिमन्यु क्रिक्रेट एकेडमी में सोमवार को दिल्ली चैलेंजर्स ने गेंदबाजों के दम पर राजस्थान क्रिक्रेट एसोसिएशन को सात विकेट से हराया। बारिश के कारण मैच में व्यवधान भी पैदा हुआ। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी कतरे हुए 43.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 181 रन का लक्ष्य दिया था। इसमें सुमित से सर्वाधिक 56 रन बनाए। दिल्ली के लिए शिवम शर्मा ने चार, कुलवंत ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली चैलेंजर्स की शुरुआत भी अच्छी रही।

छात्रों ने की ठेके व बार दस बजे बंद करने की मांग

देहरादून। डीएवी कालेज छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में छात्रों ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान डीएम को ज्ञापन देकर मांग की गई कि डीजे की तरह ही शहर में शराब ठेके, क्लब व बार रात दस बजे तक बंद हो जाने चाहिए। सिद्धार्थ अग्रवाल के अनुसार जब शादी, पार्टी सहित तमाम आयोजनों को दस बजे बंद करने के निर्देश हैं। लेकिन बार व क्लब देर रात तक कहीं कहीं तो पूरी रात खुल रहे हैं। ऐसे में इनको भी दस बजे बंद करवाया जाए। इसके अलावा ठेकों के सामने पार्किंग की भी व्यवस्था कराई जाए। बिना पार्किंग वाले ठेके बंद करवाए जाएं। ठेकों के आगे वाहनों से जाम लग रहा है। जिससे वहां अव्यवस्था हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस मामले में जल्द कार्रवाई ना हुई तो आंदोलन होगा।

प्रभारी सचिव यात्रा ने यात्रा पड़ावों पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अब तक एक लाख 20 हजार से अधिक यात्रियों की हुई स्क्रीनिंग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य सचिव एवं प्रभारी सचिव यात्रा डॉ. आर राजेश कुमार ने यात्रा रूट के विभिन्न पड़ावों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने श्रीनगर में अधिकारियों के साथ मुलाकात करते हुए यात्रा को सफल बनाने को कहा।

प्रभारी सचिव यात्रा ने कहा कि चार धाम यात्रा सुचारू ढंग से चल रही है। बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर कहीं भी जाम की स्थिति नजर नहीं आ रही। उन्होंने जिला प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि बेहतर तरीके से यात्रा का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो भी छोटी-मोटी दिक्कतें हैं उनका जिले के अधिकारियों के साथ बैठकर निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चार धाम यात्रा मार्ग पर यात्रियों की स्क्रीनिंग के लिए 50 स्क्रीनिंग प्वाइंट स्थापित किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग अब तक एक लाख 20 हजार से ज्यादा यात्रियों की स्क्रीनिंग कर चुका है। इनमें 50 साल से ऊपर और उससे नीचे आयु वर्ग के यात्री शामिल हैं। यात्रा को देखते हुए 26 मेडिकल रिलीफ पोस्ट बनाए गए हैं। इनमें डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ मुस्तैद हैं। प्रभारी सचिव यात्रा तीन दिवसीय भ्रमण में रुद्रप्रयाग जिले में रहेंगे। उनके द्वारा यात्रा मार्ग पर मूलभूत सुविधाओं स्वास्थ्य, बिजली, पानी और सड़क आदि का स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग पर खाद्य पदार्थों की जांच के लिए विशेष तौर पर मोबाइल खाद्य विश्लेषणशाला तैनात की गई है।

आलू के बीज के लिए काश्तकारों की बाहरी बाजारों पर निर्भरता होगी कम

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : चमोली जनपद में आलू का उत्पादन विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है। यहां जैविक खादों के साथ आलू के उत्पादन के चलते इसकी मैदानी बाजारों में अच्छी मांग रहती है। लेकिन जनपद के काश्तकारों को उन्नतशील बीज न मिलने से उन्हें परेशानी का सामाना करना पड़ता था। जिससे देखते हुए प्रशासन की ओर से ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के तहत जनपद में ही बीज उत्पादन की योजना तैयार की है। योजना के प्रथम चरण में देवाल ब्लॉक के मुंदोली गावं को चयनित किया गया है।

चमोली जिले के देवाल, थराली, दशोली, जोशीमठ, निजमूला नीति और माणा घाटियों में काश्तकार व्यावसायिक स्तर पर आलू का उत्पादन करते हैं। लेकिन वर्तमान तक काश्तकार आलू के उन्नतशील बीज के लिए बाहरी बाजारों पर निर्भर हैं। ऐसे में छोटी जोत के किसानों को आलू के उत्पादन से सीमित लाभ मिल पाता है। जिसे देखते हुए विकास विभाग ने छोटी जोत के किसानों की आय बढ़ाने की मंशा से ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के तहत जनपद में ही आलू बीज के उत्पादन की योजना बनाई है। योजना के संचालन के लिए पहले चरण में देवाल ब्लॉक के मुंदोली गांव को चुना गया है। जहां आलू के उन्नतशील बीज का उत्पादन कर जनपद के काश्तकारों को उपलब्ध कराया जाएगा। इससे जहां आलू का व्यावसायिक उत्पादन करने वाले काश्तकारों की बीज के लिए बाहरी बाजारों पर निर्भरता कम हो जाएगी। वहीं बीज के विपणन से छोटी जोत वाले किसानों की आय में भी वृद्धि हो सकेगी। अभिनव शाह, मुख्य विकास अधिकारी, चमोली ने बताया कि चमोली में की जलवायु आलू के उत्पादन के लिये बेहतर है। ऐसे में आलू के बीज का उत्पादन से काश्तकारों की आय को सुदृढ़ किया जा रहा है।

यूटीयू की परीक्षा में छात्रा सहित तीन नकलची पकड़े

देहरादून। वीर माधों सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाओं में सोमवार को रुड़की व टिहरी में एक छात्रा सहित दो नकलची पकड़े गए। उड़न दस्ता टीम ने वहां निरीक्षण के दौरान ये कार्रवाई की। वहीं विवि के कुलपति डा. ओंकार सिंह ने भी दून के तीन संस्थानों का औचक निरीक्षण किया।

हालांकि वहां सारी व्यवस्थाएं सही पायी गई। कुलपति डा. ओंकार सिंह ने बताया कि उड़न दस्ता टीम ने आरसीपी कॉलेज रुड़की में फार्मेसी के एक छात्र को सुबह की पाली में नकल करते हुए पकड़ा गया। जबकि रुड़की के ही आरआईटी इंस्टिट्यूट में बीटेक कंप्यूटर साइंस के एक छात्रा को तथा एक छात्र टीएचडीसी हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज नई टिहरी में नकल करते पकड़ा गया।

दून मेडिकल कॉलेज के नर्सिंग अधिकारियों का बढ़ेगा वेतन

देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 13 हजार रुपये वेतन में कार्य कर रहे नर्सिंग अधिकारियों का वेतन जल्द बढ़ सकता है। कॉलेज प्रबंधन वेतन बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव निदेशालय एवं शासन को भेज रहा है। उम्मीद है आचार संहिता के बाद इस मुद्दे पर सरकार एवं शासन द्वारा कोई सकारात्मक निर्णय लिया जा सकता है। क्योंकि मेडिकल कॉलेजों में इन नर्सिंग स्टाफ द्वारा स्टाफ की कमी के बीच बेहतर कार्य किया जा रहा है। कॉलेज में कार्यरत सौ से ज्यादा नर्सिंग अधिकारियों ने कम वेतन एवं काम की अधिकता के चलते 21 मई से आंदोलन की चेतावनी दी थी। जिस पर एमएस डॉ. अनुराग अग्रवाल, डीएमएस डॉ. धनंजय डोभाल, एएनएस दीपशिखा एवं एजेंसी प्रतिनिधियों की बैठक हुई। जिसमें नर्सिंग अधिकारियों ने बताया कि एक नर्सिंग स्टाफ को 45–45 मरीज देखने पड़ते हैं। बिना वार्ड ब्वॉय के दो–दो स्टाफ देखने पड़ते हैं। डॉ. अनुराग अग्रवाल के मुताबिक प्राचार्य के निर्देश पर वेतन बढ़ोत्तरी का एक प्रस्ताव शासन को भेजा जा रहा है। स्टाफ की कमी दूर करने का भी आश्वासन दिया गया।

मिस परफेक्ट कॉटेस्ट में मॉडल्स ने बिखेरे जलवे

देहरादून। सिनमिट कम्युनिकेशन्स की ओर से मोहब्बेवाला में सोमवार को आयोजित कमल ज्वेलर्स– ब्लेंडर्स प्राइड मिस उत्तराखंड–2024 के मिस परफेक्ट टेन सब कांटेस्ट में मॉडल्स ने जलवे बिखेरे।

मॉडल्स ने आकर्षक ड्रेसेस पहन कर कैट वॉक की। कांटेस्ट में 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

पदोन्नति में शिथिलता के प्रकरणों का विभागाध्यक्ष जल्द करें निस्तारण

देहरादून। कर्मचारियों के पदोन्नति के खाली पदों को भरने के लिए शासन ने पदोन्नति में शिथिलता की सुविधा दी है। ये सुविधा 30 जून को समाप्त हो रही है। अभी तक विभागों की ओर से पदोन्नति के प्रकरणों का निस्तारण न करने पर अपर मुख्य सचिव कार्मिक आनंद बर्द्धन की ओर से सोमवार को नाराजगी जताई गई। विभागों को जल्द से जल्द पदोन्नति के खाली पदों को भरने के निर्देश दिए। सभी सचिवों, विभागाध्यक्षों को जारी निर्देश में कहा कि पदोन्नति के प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाई जाए। शासन की ओर से कर्मचारी संगठनों की मांग पर पदोन्नति में शिथिलता की व्यवस्था की। 30 जून तक कर्मचारियों को ये लाभ मिलना था। अभी तक विभागों के स्तर पर कोई प्रगति इस मामले में होती नजर नहीं आ रही है। इसे लेकर कर्मचारी संगठनों की ओर से भी आपत्ति जताई जा रही है। पदोन्नति के प्रकरणों में तेजी लाते हुए 30 जून तक सभी प्रकरणों का निस्तारण कर कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ सुनिश्चित कराने की व्यवस्था करे। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष अरुण पांडेय ने कहा कि 30 जून तक हर हाल में पदोन्नति से जुड़े प्रकरणों का निस्तारण किया जाए। शिथिलता का लाभ न मिलने से कई कर्मचारी बिना पदोन्नति का लाभ लिए ही रिटायर हो रहे हैं।

ट्रांसपोर्टनगर में 22 टायर ट्रेलर पलटा

देहरादून। ट्रांसपोर्टनगर में 22 टायर का ट्रेलर (ट्राला) बेकाबू होकर पलट गया। उसमें टाइलें लदी थी। गनीमत रही कि उसकी चपेट में कोई नहीं आया। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

आईएसबीटी चौकी इंचार्ज विजय प्रताप रही ने बताया कि सोमवार सवेरे करीब पांच बजे आशारोड़ी की तरफ से एक ट्रेलर शहर की तरफ आ रहा था। तभी ट्रांसपोर्टनगर में बेकाबू होकर सड़क पर पलट गया। इस दौरान उसमें लदी टाइलें भी बिखर गई। टाइलें दूसरे ट्रक में लादकर हटाई गई। इस के बाद ट्रेलर को हटवाकर यातायात सुचारू कराया गया।

बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए उठाए ठोस कदम : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में सोमवार को समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत गठित जिला स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी की बैठक हुई। जिसमें बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के सृजन पर जोर दिया गया। इस दौरान समग्र शिक्षा, पीएम श्री, निपुण भारत मिशन, पीएम पोषण अभियान के अन्तर्गत संचालित गतिविधियों के साथ ही जनपद स्तर पर संचालित समर्थ गांव योजना की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान (एफएलएन) के लिए बेसिक स्तर पर समुचित वातावरण का सृजन किया जाए। जिन विद्यालयों में बच्चों का लर्निंग लेवल बहुत कमजोर है, उनको चिन्हित करें और उन विद्यालयों में प्रोत्साहन धनराशि पर वॉलिंटियर शिक्षक नियुक्त करते हुए बुनियादी शिक्षा में सुधार लाया जाए। मूल्यांकन के बाद कमजोर बच्चों पर विशेष फोकस करें। बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने के लिए शिक्षकों को प्रोत्साहित करें और जो शिक्षक अच्छा कार्य कर रहे, उनको सम्मानित किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे कमजोर बच्चों को फायदा मिलेगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि बुनियादी शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार करते हुए उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। पीएम श्री और पीएम पोषण के अन्तर्गत विद्यालयों में प्लानिंग के साथ मरम्मत एवं अन्य निर्माण कार्य कराए जाए। विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान शिक्षा अधिकारी स्थानीय जन समुदाय से फीडबैक लेकर अपने स्तर पर नियमित समीक्षा करें। मुख्य शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जनपद में सरकारी एवं प्राइवेट कुल 1509 विद्यालयों में 70244 बच्चे पंजीकृत है।

सुगम, सुरक्षित एवं निर्बाध यात्रा के लिए राज्य सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध : डॉ. कुमार

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : तीन दिवसीय जनपद भ्रमण पर पहुंचे सचिव स्वास्थ्य/प्रभारी सचिव (यात्रा) डॉ. आर राजेश कुमार ने सोमवार को केदारनाथ धाम में जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों की ओर से की गई तैयारियों एवं सुविधाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सुगम, सुरक्षित एवं निर्बाध यात्रा के लिए राज्य सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

स्लाइडिंग जोन सिरोबगड़ के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों से कहा कि सिरोबगड़ से ही जनपद की सीमा प्रारंभ हो जाती है तथा ये क्षेत्र अति-संवेदनशील है। ऐसे में हल्की वर्षा में भी मलबा आने से मार्ग बाधित हो जाता है। इसके लिए उन्होंने समुचित व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्लाइडिंग जोन पर 247 जीसीबी मशीन उपलब्ध रहे। जीसीबी ऑपरेटर का नंबर भी सभी प्रशासनिक अधिकारियों को उपलब्ध कराया जाए ताकि यातायात मार्ग अवरूद्ध होने पर तत्काल यातायात हेतु सुचारू किया जा सके। उन्होंने जिला चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण करते हुए चिकित्सालय में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को उन्होंने निर्देश दिए कि केदारनाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं का यदि स्वास्थ्य खराब हो जाता है तो उनका प्राथमिकता पर उपचार किया जाए। उन्होंने कहा कि उपचार के लिए चारों धामों में 180 चिकित्सक तैनात किये गए हैं। उन्होंने केदारनाथ यात्रा व्यवस्था हेतु तैनात डॉक्टरों की भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला चिकित्सालय में स्थापित की जा रही सिटी स्कैन मशीन को तत्परता से स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सिटी स्कैन कक्ष के लिए विद्युत भार बढ़ाने के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली धनराशि के लिए महानिदेशक स्वास्थ्य को आवश्यक दिशा-निर्देश भी निर्गत किये। प्रभारी सचिव ने यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ाव पर बेहतर साफ सफाई व्यवस्था के निर्देश नगर पालिका, नगर पंचायत एवं जिला पंचायत को दिए। इसके साथ ही जल संस्थान को यात्रा मार्ग एवं यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ाव पर उचित पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने के भी निर्देश दिए। विद्युत विभाग को भी व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक डॉ. अमित शुक्ला, मुख्य विकास अधिकारी जी.एस खाती, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.सी.एस मर्तोलिया, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक मनोज बडोनी, उपजिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिड़ियाल, अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग निर्भय सिंह, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग कुशवंत सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम नवल कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सुशील कुरील, सहायक अभियंता जल संस्थान रेवत सिंह रावत, जिला पूर्ति अधिकारी मनोज डोभाल, डॉ. आशुतोष सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सचिव स्वास्थ्य ने व्यापारियों की समस्याओं को सुना

सचिव स्वास्थ्य ने रुद्रप्रयाग शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर सभी होटल व्यवसाय एवं व्यापारियों से खाद्य सामग्री को खुले में न रखकर इसके लिए उचित प्रबंध करने, साफ सफाई एवं खाने पीने की सामग्री में गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों पूरी

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.सी.एस मर्तोलिया ने बताया कि केदारनाथ यात्रा के लिए पांच चिकित्सा अधिकारी, एक फिजिशियन अन्य जनपदों से तैनात किए गए हैं तथा जनपद रुद्रप्रयाग से नौ चिकित्सा अधिकारी और एक आर्थो डॉक्टर तैनात हैं। अन्य जनपदों के 19 फार्मासिस्ट और 2 जनपद रुद्रप्रयाग तथा 8 स्वास्थ्य चिकित्सक और 5 कनिष्ठ चिकित्सक तैनात किए गए हैं।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा
जयन्त कार्यालय
चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली
उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338